6

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दिल्ली
माध्यमिक स्कूल परीक्षा (कक्षा दसवीं)
परीक्षार्थी प्रवेश–पत्र के अनुसार भरें

विषय Subject : हिन्दी

विषय कोड Subject Code : 002

परीक्षा का दिन एवं तिथि
Day & Date of the Examination : 08.03.2016/ मंगल

उत्तर देने का माध्यम
Medium of answering the paper : हिन्दी

प्रश्न पत्र के ऊपर लिखे कोड को दर्शाएं : Write code No. as written on the top of the question paper :	Code Number	Set Number
	3	① ● ③ ④

अतिरिक्त उत्तर–पुस्तिका (ओं) की संख्या
No. of supplementary answer -book(s) used

विकलांग व्यक्ति : हाँ / नहीं
Person with Disabilities : Yes / No — NO

किसी शारीरिक अक्षमता से प्रभावित हो तो संबंधित वर्ग में ✓ का निशान लगाएं।
If physically challenged, tick the category

B	D	H	S	C	A

B = दृष्टिहीन, D = मूक व बधिर, H = शारीरिक रूप से विकलांग, S = स्पास्टिक
C = डिस्लेक्सिक, A = ऑटिस्टिक
B = Visually Impaired, D = Hearing Impaired, H = Physically Challenged
S = Spastic, C = Dyslexic, A = Autistic

क्या लेखन – लिपिक उपलब्ध करवाया गया : हाँ / नहीं
Whether writer provided : Yes / No

यदि दृष्टिहीन हैं तो उपयोग में लाए गये सोफ्टवेयर का नाम :
If Visually challenged, name of software used :

*एक खाने में एक अक्षर लिखें। नाम के प्रत्येक भाग के बीच एक खाना रिक्त छोड़ दें। यदि परीक्षार्थी का नाम 24 अक्षरों से अधिक है, तो केवल नाम के प्रथम 24 अक्षर ही लिखें।

Each letter be written in one box and one box be left blank between each part of the name. In case Candidate's Name exceeds 24 letters, write first 24 letters.

कार्यालय उपयोग के लिए
Space for office use

8115615
002/00274

खंड 'क'

1) क) उ० → i) वंशानुगत स्वभाव को अपने विवेक और बुद्धि से बदल सकते हैं।

ख) → iii) बुद्धि में सूक्ष्म परिवर्तन लाकर।

ग) → i) चेतन मस्तिष्क

घ) → ii) अवचेतन मस्तिष्क जन्म से पहले ही काम करना शुरू कर देता है।

[illegible]) → ii) चेतन मस्तिष्क को।

2) क → i) नेपाल में आया भूकंप याद हो आया।

ख) → i) छरहरा स्तंभ भूकंप में तहस-नहस हो गया।

ग) → ii) उनका काम-धंधा ठप्प हो गया होगा।

[illegible] → i) पुरुष, रोजगार के लिए बाहर जाकर कम करते हैं।

[illegible] → i) काठमांडू की यात्रा।

3) उत्तर:-

क) → iii) गरीब और अमीर बच्चों का जीवन

ख) → iii) विषमता और भेदभाव।

ग) → ii) अँधेरे में डुबकती।

4

घ) → iii) वे शोषण के गुब्बारे को फोड़ सकते हैं।

ङ) → i) वे अपने शोषण के बारे में बताते हुए डरते हैं।

4) उत्तर:

क) → i) धीरज रखने का अनुरोध

ख) → ii) शक्तिशाली शासक

ग) → ii) मिट्टी फिर कोई आग उगलने वाली है।

घ) → iii) गरीबों तक सुविधाएँ नहीं पहुँचती।

ङ) → iv) चोरों और भ्रष्टाचारियों की।

खण्ड - 'ख'

5) क) उत्तर:- मिश्र वाक्य।

~~ख) उत्तर:- गाँधी जी ने जो नमक~~

ख) उत्तर:- यद्यापि गाँधी जी ने नमक कर को साफ-साफ देखा था, तथापि वो अन्याय था।

ग) उत्तर:- भारत के सामने मुख्य समस्या बढ़ती जनसंख्या है।

6) क) उत्तर:- तुलसीदास ने 'रामचरितमानस' की रचना की।

ख) उत्तर:- इतनी गर्मी में कैसे बैठोगे।

ग) उत्तर:- हमारे द्वारा इतना भार नहीं सहा जा सकता है।

घ) उत्तर:- अब राष्ट्रपति द्वारा नहीं आया जाएगा।

7) उत्तर:- जिलाधिकारी की → (i) संज्ञा

(ii) जातिवाचक संज्ञा

(iii) एकवचन

(iv) पुल्लिङ्ग

प्रमुख → (i) विशेषण

(ii) गुण वाचक विशेषण

(iii) विशेष्य :- लोगों

(iv) पुल्लिङ्ग

बुलाया गया → i) क्रिया

ii) सकर्मक क्रिया

iii) कर्मवाच्य

मैं → i) सर्वनाम

ii) पुरुष वाचक

iii) प्रथम पुरुष

iv) पुल्लिङ्ग

v) एकवचन

⑧ क) उत्तर :→ वात्सल्य रस

ख) उत्तर :→ बतरस लालच लाल की, मुरली धरी लुकायें,
सौंह करे, भौंहन हँसे, दैन कहे नटीजाए।

ग) उत्तर :- शोक

घ) उत्तर :- विभत्स रस

खंड 'ग'

9) क) उत्तर:- उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ भारत के सर्वश्रेष्ठ शहनाई वादक थे। जिन्हे संगीत के लिए भारत रत्न से नवाजा गया है।

बिस्मिल्ला खाँ साहब ने बालाजी के मंदिर की ड्योढ़ी पर बैठकर अपने मामा अलीबक्श व नाना से शहनाई सीखा करते थे। खाँ साहब के पुश्तैनीयों ने भी यहीं बैठकर शहनाई बजाने या सीखते थे।

ख) उत्तर:- रसूलनबाई और बतूलनबाई के यहाँ से होकर बालाजी के मंदिर जाना बिस्मिल्ला खाँ को अच्छा लगता था क्योंकि:-

i) खाँ साहब को संगीत की आरंभिक शिक्षा इन्हीं सबों के गानों, तालो से मिली थी।

ii) इस रास्ते न जाने कितने तरह के बोल-बनाव कभी ठुमरी, कभी टप्पे, कभी दादरा सुनाई देता था, जो उन्हे संगीत की शिक्षा देता था।

iii) उन्हे अपने जीवन के आरंभिक दिनों में संगीत के प्रति आसक्ति

इन्हीं गायिका बहिनों को सुनकर मिली है।

ग) उत्तर:→ 'रियाज़' का अर्थ है अभ्यास, जो हमें प्रतिदिन मेहनत करके प्राप्त होती है, वह अभ्यास का ही परिणाम है।

10) क) उत्तर→ मन्नू भंडारी के पिता की निम्नलिखित विशेषताएँ अनुकरणीय हैं:-

i) गरीब बच्चों को घर में बैठा कर पढ़ाना।

ii) बच्चों को डिक्टेशन देना।

iii) आत्म निर्भर बनना।

iv) स्वतंत्रता के समय देश की राजनीतिक बहसों में हिस्सा लेना।

v) अपनी बेटी को उच्च शिक्षा के लिए कॉलेज भेजना।

vi) देश की हालातों के बारे में अपनी बेटी से चर्चा करना।

ख) उत्तर→ वर्तमान परिपेक्ष्य में यह बात शत प्रतिशत सही है कि परंपराएँ विकास के मार्ग में अवरोधक हों तो उन्हें तोड़ना ही चाहिए। अगर हम स्त्री शिक्षा का उदाहरण लेते हैं तो परंपराओं के अनुसार उन्हें पाप समझा जाता था। लोग स्त्री को शिक्षा नहीं देते थे परंतु वर्तमान में हम स्त्रियों को देखें तो ये

पुरुषो से हाथ मिलाकर चल रही है। 'कल्पना चावला', 'प्रतिभा देवी सिंह पाटिल', आदि हमारी देश की स्त्रियाँ विश्व स्तर पर परचम लहरा रही इसलिए की हमने परंपराओ को तोड़ दिया। अतएव परंपराएँ विकास के मार्ग मे अवरोधक हो तो इन्हे तोड़ना ही उचित है।

ग) उत्तर ⇒ 'प्राकृत केवल अपढ़ो की नहीं अपितु सुशिक्षितो की भी भाषा थी।' महावीर प्रसाद द्विवेदी ने यह कहा क्योंकि :-

i) भारत की आधे से अधिक, जिन्हे संस्कृत कठिन होने के कारण नहीं आती थी, जनता प्राकृत भाषा का ही प्रयोग करते थे।

ii) बौद्ध धर्म की ग्रंथ 'त्रिपिटक' जो महाभारत से भी बड़ा है, प्राकृत भाषा मे लिखा गया है।

iii) अगर प्राकृत बोलने वाले अनपढ़ थे, तो आज जितने भी स्थानीय भाषा :- बंगाली, भोजपुरी, अवधी, मैथिली आदि भाषा मे पेपर प्रकाशित करते हैं, वे भी अशिक्षित है।

घ) उत्तर:→ 'संस्कृति' पाठ मे लेखक ने सभ्यता को कुछ इस तरह परिभाषित किया है 'सभ्यता → संस्कृत मानव के द्वारा जो भी ज्ञान कौशल, खोज, तकनीक आदि, हमे पुश्तैनी था फिर हम उसका प्रयोग अपने लिए करते हैं, उसे सभ्यता कहते हैं।
जैसे न्यूटन जिसने गुरुत्वाकर्षण बल को प्रतिपादित किया, इसलिए वो संस्कृत मानव हुआ, और हम उसका प्रयोग अपने अनुसार करते हैं, इसलिए इसे सभ्यता कहा गया।

ड) उत्तर:→ 'रात के तारों को देखकर न सो सकने वाले मनीषी को प्रथम पुरस्कर्ता कहा गया है क्योंकि इनके पास खाने के लिए रोटी, पहनने के लिए कपड़ा, रहने के लिए घर होने के बावजूद वे हमेशा रात के तारों में से कुछ नया खोजना चाहते हैं। इनमे हमेशा कुछ नये खोजने की लालसा होती है। ये संस्कृत मानव होते है। इन्हे तारों से भरा थाल हमेशा कुछ नये खोजने की आकांक्षा को जागृत करते रहता है।

1) उत्तर :->

क) :- 'मृगतृष्णा' -> जब रेगिस्तान में मृग यानी हिरण को प्यास लगती है तो वह इधर-उधर प्यास के कारण पानी की खोज में भटकता रहता है। जब कहीं दूर उसे पानी प्रतीत होता है, और वो वहाँ आकर देखता है तो चारों ओर रेत होती है। और इसी भ्रम में भटकते हुए, उसकी मौत हो जाती है।

यहाँ मृगतृष्णा का अर्थ भ्रम के रूप में लिया गया है, हमें जो बड़े बनने का भ्रम है, उसे ही यहाँ मृगतृष्णा कहा गया है।

ख) उत्तर -> 'हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है' इसका तात्पर्य है कि हर पूर्णिमा वाले रात से पहले ज्यादा अमावस्या की रातों की ज्यादतयी होती है, उसी प्रकार हर सुख के बाद या पहले दुःख जरूर होता है, लेकिन उस दुःख के बाद हमें सुख की प्राप्ति अवश्य होती है।

ग) उत्तर :- 'छाया' से कवि का तात्पर्य है 'पुराने अच्छी दिनों की बीती हुयी स्मृती'। अगर मनुष्य को वर्तमान में कष्ट होता है तो वो इसे पुराने दिनों की स्मृतियों से तुलना करता है, जिसके कारण उसे अत्यधिक दुःख होती है।

12) उत्तर :- (क) परशुराम की स्वभागत विशेषता कुछ इस प्रकार है :-

i) वे अपने ईष्ट देव शंकर जी के लिए प्राण तक देने को तैयार रहते है।

ii) वे माता-पिता के अनन्य भक्त थे, जिसके कारण उन्होंने 18 बार क्षत्रियों का नाश किया।

iii) महा दानी :- 18 बार क्षत्रियों को नाश कर राज्य-पाठ ब्राह्मणों को दान दिए।

iv) गुरु भक्ति।

v) तार्किक स्वभाव

vi) अत्याधिक शक्तिशाली।

(ख) → 'साहस और शक्ति के साथ विनम्रता हो तो बेहतर है'। इसका उदाहरण हम 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' में देख सकते है। लक्ष्मण व परशुराम अत्याधिक बलशाली होने के बाद भी एक दूसरे को तर्कों के माध्यम से अपमानित कर रहे थे। लक्ष्मण आग थे, तो परशुराम घी। लेकिन श्री राम पानी थे। इनके पास सब कुछ होते हुए भी खुद को परशुराम का दास बताया। इन्होंने अपनी शीतल वाणी से सभी का दिल जीत गये। इनकी वाणी सभी के हृदयों को छु गयी। क्योंकि ये विनम्र थे।

ग) उ

घ) उ

ग) उत्तर: 'कन्यादान' कविता में वस्त्र और आभुषणों को शाब्दिक भ्रम कहा गया है क्योंकि :

i) आज स्त्रियों को वस्त्र और आभुषण देकर उन्हें प्रसन्न कर दिया जाता है, लेकिन बाद में उन्हीं पर शोषण होता है। लोग उन पर तरह-तरह के अत्याचार करते हैं। वस्त्र और आभुषण से तो सिर्फ उन्हें भ्रमित किया जाता है, स्त्रियाँ तो कोमलता, सात्विकता आदि की मुर्ति होती हैं और फिर उनका शोषण किया जाता है।

घ) उ०: 'कन्यादान' कविता में माँ ने बेटी को ऐसा कहा कि लड़की होना पर लड़की जैसा दिखाई मत देना क्योंकि स्त्रियाँ प्रेम, सौंदर्य, कोमलता, सचेतता, सात्विता, पवित्रा, की मुर्ति होती है। उनका कार्य सर्वत बड़ो को सम्मान, छोटों को प्यार व दूसरों की पेट की ज्वाला शांत करना रहता है, इसलिए माँ ने उसे लड़की बनने को कहा।

परंतु आज का समाज उनकी इस गुण के कारण उनका शोषण व उन पर अत्याचार करता है, इसलिए उसे लड़की जैसा दिखाई मत देना कहा तथा आत्याचारों को सहन करना नहीं बल्कि उसे

उचीत दंड या बदला ~~देव~~ लेने को कहा है।

3) उ० :- संगतकार की आवाज में हिचक सी उसकी मनुष्यता, मानवता को दर्शाता है क्योंकि उसके पास भी मुख्य गायन इतना गुण होता है, लेकिन वो इसे दबा कर मुख्य गायक की प्रतिभा को बिखेरने में मदद करता है। यह उसकी मनुष्यता है। यह उसकी हिचक नहीं, यह तो उसका बड़प्पन है। जो खुद को रोकर, दूसरे को आगे बढ़ने देता है।

13) उत्तर :- आज पूरे विश्व में प्रदूषण सबसे बड़ा आगे बढ़ता हुआ खतरा है। जिसके कारण आज हिमपात तक में कमी आ गयी है। प्रदूषण का अर्थ होता है हमारे पर्यावरण में ~~ए~~ वैसे घटक का मिलना, जो हम नहीं चाहते हैं तथा वो मिलकर पर्यावरण को दूषित ही करते है। इसके अनेक दुष्परिणाम है :-

i) अम्लीय वर्षा
ii) वर्षा का कम होना
iii) ओजोन परत का ह्रास
iv) कृषि पैदावार कम होना

v) शारीरिक अपंगता
vi) जीव-जंतु का मरना
vii) प्राकृतिक आपदा
viii) गंभीर बिमारीयाँ आदि।

इसके रोकथाम के लिए हम निम्नलिखित कार्य कर सकते है :

(i) कम दूरी के लिए पैदल या साईकल का प्रयोग कर
(ii) प्लास्टिक का कम प्रयोग कर
(iii) जैविक खाद कर
(iv) वृक्षारोपन कर
(v) लोगों को पर्यावरण के लिए जागरुक कर
(vi) नालियों, गंदे पानीयों का सही तरीके से फिलटरेट कर।
(vii) पुनः चक्रण अपना कर।
(viii) जैव कचड़ो को अच्छे तरह निपटारा करे।
(ix) → अजैव कचड़े को सुव्यवस्थित ढंग से निपटारा कर।
(x) → सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा अपना कर।
(xi) → बाहर जाते समय विद्युतीयें उपकरण को बंद कर जाना चाहिए।
(xii) → मोबाईल तथा इंटरनेट का कम प्रयोग कर।

खंड - 'छ'

15) उत्तर :- छ)

कालह करै सो आज कर

कालह करै सो आज कर, आज करै सो अब।
पल में परलये होत हैं, फेर करेगा कब ॥

भूमिका :→ वर्तमान परिपेक्ष्य में हमें आज सारे कार्य अपने सही व उचित वक्त पर कर लेना चाहिए। "कालह करै सो आज कर" का अर्थ है जो तुम कल करना चाहते हो, उसे आज करो, जो आज करना है, उसे अब क्योंकि पल में प्रलय हो जाएगा, फिर तुम कार्य को कब करोगे। हमें वक्त का मुल्य पहचानकर उसका सदुपयोग करना चाहिए।

संदर्भ :→ आज हमें समय का सदुपयोग करना चाहिए ताकि हम अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सके। हमें समय को पहचानकर उसके मुल्य को समझना चाहिए। वर्तमान या भूत या फिर भविष्य वो छात्र ही सफल बन पाता है जिसे समय का सदुपयोग करना सीख लिया है। हम जितने भी बड़े व्यक्तियों

को देखते हैं जैसे मुकेश अंबानी या फिर हमारे शिक्षक जिन्होंने ने भी अपना लक्ष्य प्राप्त किया है, उन्होंने समय को पहचाना व इसका उचित उपयोग किया है। अगर हमें भी अपने लक्ष्य के प्रति सचेत रहना हैं तो समय का सदुपयोग करना सीखना चाहिए। आज देश, समाज, जनता सभी की यही पुकार है।

अगर हम समय का सदुपयोग करना चाहते हैं तो हमें वक्त पर सारा कार्य करना चाहिए, जीवन में अनुशासन लाकर हम इसका सदुपयोग कर सकते हैं। अगर हम छात्र जीवन व्यतीत कर रहे हैं तो एक निश्चित समय तालिका बनाकर करना चाहिए। अगर जीवन में अनुशासन है तो हमारा कार्य तथा हम स्वयं व्यवस्थित हो सकते हैं।

निष्कर्ष:→ अतएव समय को हमें पहचानकर उचित अवसर का प्रयोग कर हम अपने जीवन को सफल बना सकते हैं। खुद को राष्ट्र तथा गुरु की सेवा में निहित कर सकते। अनुशासन से हम स्वयं को व्यवस्थित कर लक्ष्य की ओर अग्रसर हो जाते है। जीवन काल में समय को पहचानना ही सबसे बड़ा कार्य होता है हम पहचान गये तो सफलता हमारी कदम चूमती है। समय व अनुशासन दोनों मिलकर हमारे जीवन को सँवार देती हैं।

15) उत्तर:

पतरातू रोड, राँची
811 क, मकान :- 81
822116.

दिनांक :- 8 मार्च 2015.

पूज्य पिताजी,
सादर प्रणाम।

मैं नवोदय विद्यालय में अच्छे ढंग से पढ़ रहा हूँ तथा आशा करता हूँ कि आप वहाँ खुशी पूर्वक तथा स्वस्थ्य होंगे। माताजी भी ठीक होंगी। कुछ सप्ताह पहले ही आपका पत्र प्राप्त हुआ था। परंतु आज मुझसे एक भूल हो गयी है। जिसके लिए मैं आपसे क्षमा माँगना चाहता हूँ।

पिताश्री कुछ दिनों पहले मुझे अपने छोटे भाई से झड़प हो गयी थी

शायद बाद में, मुझे लगा कि गलती मेरी ही थी। परंतु जब मैं उससे मॉफी माँगने गया तो वो मुझसे बात नहीं कर रहा है। मुझे माफ कर दिजीये पिता श्री, भविष्य में, मैं कोई ऐसी भुल नहीं करूँगा, जिसके कारण हम दोनों भाईयों के प्रेम भरे रिश्तों में कोई गलत-फहमी आ जाए। अत: मुझे माफ कर, उसे मुझसे बात करने के लिए प्रेरित किजीए तथा हमारे फाइनल परीक्षा का परिणाम आ गया है, हमे दोनो भाई अच्छे नंबर से पास है। अतएव मैं लिखना बंद कर रहा हूँ।

बडो को प्रणाम, छोटे को शुभ आशिष।

आपका प्यारा
अग्निमेश आर्य।

ा आज्ञा।
ों। माता जी
ाप्त हुआ
लिए मैं
ड़प हो गयी थी

16) उत्तर:- पुलिस व्यवस्था

प्रत्येक देश में नागरिकों की सुरक्षा तथा कानून का पालन करवाने वाला पुलिस, सरकारी संस्था है। पुलिस के प्रशिक्षण के समय, सुहृद, शारीरिक व कर्तव्यों को बोध कराया जाता है। प्रशिक्षण के बाद पुलिस समाज से जुड़कर सर्वत्र शांति व्यवस्था कायम करती है। पुलिस के कर्तव्य ही इन्हें साहसी, बहादुर व ईमानदार का परिक्षा लेती है। बहादुर पुलिस को पुरस्कृत भी किया जाता है।